बर्षः- 05
अंकः- 336
मुरादाबाद
(Wednesday)
01 April 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने साणंद में केन्स सेमीकॉन प्लांट का उद्घाटन किया, आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के साणंद में केन्स सेमीकॉन प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्लांट सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अहम कदम है और देश का दूसरा ऐसा प्लांट है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के साणंद में केन्स सेमीकॉन प्लांट का उद्घाटन किया। यह सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह देश का दूसरा ऐसा प्लांट है। उद्धघाटन करने के बाद पीएम मोदी ने प्लांट का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने ऑपरेटर्स और इंजीनियरों से बातचीत की।पीएम ने हर इंजीनियर के मन में उत्साह जगाया है आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएम मोदी ने हर इंजीनियर के मन में उत्साह जगाया है। उन्होंने कहा कि पहला प्लांट का 28 फरवरी को उद्घाटन हुआ , 31 मार्च को दूसरे प्लांट और तीसरे प्लांट का उद्घाटन जुलाई में होगा। इस साल के अंत तक चार प्लांट शुरू करने का लक्ष्य है। उन्होंने एक कविता कहकर अपना संबोधन खत्म किया, खोल दे पंख मेरे कहता है परिंदा अभी और उड़ान बाकी है, जमीन नहीं मंजील मेरी अभी पूरा आसमान बाकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधीनगर के कोबा तीर्थ में सम्राट सम्प्रति संग्रहालय का उद्घाटन किया। संग्रहालय में पारंपरिक और डिजिटल प्रदर्शनियों के माध्यम से ज्ञान और विरासत की यात्रा प्रस्तुत की गई है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महावीर जयंती के अवसर पर आयोजित भारत विरासत महोत्सव कार्यक्रम के दौरान गांधीनगर के कोबा तीर्थ में सम्राट सम्प्रति संग्रहालय का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी उपस्थित थे।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह संग्रहालय शताब्दियों पुराने ज्ञान, अध्यात्म और सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। संग्रहालय में पारंपरिक प्रदर्शनियों के साथ-साथ आधुनिक डिजिटल और ऑडियो-वीजुअल इंस्टॉलेशनों के माध्यम से आगंतुकों, शोधकर्ताओं और विद्वानों के लिए एक समग्र और इमर्सिव अनुभव तैयार किया गया है।अध्ययन, साधना और अनुशासन का संगम- भारतीय सभ्यता की नींव-प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में कहा मैंने वर्षों से देखा है कि कोबा तीर्थ में अध्ययन, आध्यात्मिक साधना और आत्म-अनुशासन की निरंतर परंपरा कैसे निभाई जा रही है। यहां मूल्य संरक्षित हैं, सांस्कृतिक धरोहर मजबूत है और ज्ञान को पोषित किया जा रहा है। यही तीनों धारणाओं का संगम (अध्ययन, साधना और अनुशासन) भारतीय सभ्यता की नींव बनता है। हमें सभी का कर्तव्य है कि इस पवित्र संगम को सुरक्षित और प्रवाहित रखें।

संग्रहालय में सम्राट सम्प्रति की अहिंसा और सत्य की परंपरा का संदेशप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्राट सम्प्रति संग्रहालय के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि यह संग्रहालय करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक विरासत और भारत के गौरवशाली इतिहास का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि सम्राट सम्प्रति ने शासन के दौरान अहिंसा और सत्य का मार्ग अपनाया, जबकि अन्य कई शासक केवल हथियार और शक्ति का उपयोग करते थे। पीएम मोदी ने आगे कहा यह संग्रहालय इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह महान भारत की पहचान और उसकी समृद्ध संस्कृति को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत करता है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों पर भी चर्चा करते हुए उन्होंने कहा आज की दुनिया में जहां अस्थिरता और अशांति की आग फैल रही है, इस संग्रहालय में संरक्षित विरासत और उसका संदेश न केवल भारत के लिए, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मेरी कामना है कि जो भी लोग इस संग्रहालय का दर्शन करें, वे भारत की जैन परंपरा के मूल्यों और संदेश को हर कोने में पहुंचाएं।प्रधानमंत्री ने कहा कि सम्राट सम्प्रति संग्रहालय जैन दर्शन, भारतीय संस्कृति और प्राचीन विरासत का एक पवित्र केंद्र बनकर उभरा है। मैं इस अद्वितीय प्रयास के लिए सभी जैन साधु-संतों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और उनके चरणों में नमन करता हूं। इसके अलावा, मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने उद्घाटन के अवसर पर कहा यहां 2,000 से अधिक प्राचीन कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म को अक्षुण्ण रखा है। आइए हम विकसित गुजरात और विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ें। उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा आज का उद्घाटन नई पीढ़ी को उनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत से जोड़ने में मार्गदर्शक साबित होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ की विरासत को अयोध्या से विश्व स्तर तक पहुंचाया है।

संक्षिप्त समाचार

एमपी के सीएम मोहन यादव का काशी में भव्य स्वागत, एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन का किया शुभारंभ

एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन 2026 में हिस्सा लेने मंगलवार को एमपी के सीएम काशी पहुंचे। सीएम ने होटल रमाडा में एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन का शुभारंभ किया।मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन 2026 में हिस्सा लेने काशी पहुंचे। एयरपोर्ट पर वे मीडिया से रूबरू हुए। इसके बाद वह सीधे श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे, जहां दर्शन-पूजन के बाद कॉरिडोर का भ्रमण और अध्ययन किया। यहां वे काशी विश्वनाथ मंदिर के एसओपी को समझने के बाद होटल रमाडा पहुंचे।होटल रमाडा में सीएम मोहन यादव के साथ ही यूपी के कई दिग्गजों ने एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन का शुभारंभ किया। इसकी अध्यक्षता सीएम मोहन यादव कर रहे हैं। इसके बाद बरेका में विक्रमोत्सव महानाट्य मंचन की तैयारियों का अवलोकन करेंगे और प्रेसवार्ता करेंगे। बरेका में विक्रमोत्सव महानाट्य मंचन 3 अप्रैल से शुरू होगा। तीर्थ क्षेत्र में विकसित क्राउड फ्लो मैनेजमेंट, अधोसंरचना लेआउट और तीर्थयात्रियों के प्रबंधन की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। इसके बाद एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन 2026 में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं, पारंपरिक शिल्प, ओडीओपी और जीआई टैग उत्पादों, कृषि एवं खाद्य उत्पादों, निवेश अवसरों और पर्यटन संभावनाओं को साझा मंच पर प्रस्तुत किया गया।

बंगाल चुनावः मुझे 294 सीटों की उम्मीदवार मानें, ममता बनर्जी की अपील; BJP पर धर्म के नाम पर बांटने का भी आरोप

पश्चिम मेदिनीपुर में चुनावी रैली के दौरान ममता बनर्जी ने भाजपा पर धर्म के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया और खुद को 294 सीटों की उम्मीदवार बताया।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनावी माहौल के बीच पश्चिम मेदिनीपुर के चंद्रकोना में आयोजित रैली में भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जनता उन्हें राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों का उम्मीदवार मान सकती है। ममता बनर्जी ने अपने संबोधन में आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी लोगों को धर्म के आधार पर बांटने की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा न केवल सामाजिक विभाजन को बढ़ावा दे रही है, बल्कि बंगाल का अपमान भी कर रही है।महिलाओं और अल्पसंख्यकों का मुद्दा उठाया-मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से महिलाओं और अल्पसंख्यकों के नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा शुरू से ही अल्पसंख्यकों को अपना विरोधी मानती रही है। ममता बनर्जी ने कहा %वे हिंदू-मुस्लिम के नाम पर लोगों को बांटते हैं। अगर आप कतार में खड़े लोगों को देखें, तो कई महिलाएं सिंदूर लगाए नजर आएंगी, लेकिन फिर भी उनके साथ भेदभाव किया जाता है।% रैली के दौरान ममता बनर्जी ने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि वे सऊदी अरब से पैसा लाते हैं और उन्हें अपनाते हैं, लेकिन भारत में उनके साथ भेदभाव करते हैं। बार में तस्वीर देखी, जिसमें वे लोग फिर से कतार में खड़े थे जिनके नाम पहले मतदाता सूची में थे, लेकिन अब हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह देखकर उन्हें दुख होता है कि उनकी %मां-बहनें% लाइन में खड़ी रहने को मजबूर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2002 की मतदाता सूची में शामिल कई नाम हटा दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को लेकर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जिसके बाद 42 लाख में से 22 लाख नाम दोबारा जोड़े गए, लेकिन अब भी करीब 18 लाख नाम बाहर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लोगों के नागरिक अधिकार छीनने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि यदि उनकी पार्टी ने विरोध नहीं किया होता, तो भाजपा करीब 5 करोड़ लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा देती। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियां राज्य के हितों के खिलाफ हैं और यह बंगाल को कमजोर करने की कोशिश है। 'बाहरी वोटरों' का मुद्दा उठाया-ममता बनर्जी ने यह भी दावा किया कि बिहार, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के लोगों के नाम मतदाता सूची में जोड़े जा रहे हैं। उनके अनुसार, चुनाव के दौरान बाहर से लोगों को लाकर मतदान कराया जा सकता है। गरबेता में आयोजित एक अन्य रैली में ममता बनर्जी ने साफ कहा कि जब तक उनकी सरकार है, तब तक बंगाल में हक्रष्ट लागू नहीं होगा और न ही कोई डिटेंशन कैंप बनेगा।

मायावती की पदाधिकारियों संग बड़ी बैठक, बोलीं- सरकार से जनता त्रस्त, अब लोगों की बीएसपी से उम्मीदें बढ़ीं

राजधानी लखनऊ में मायावती ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इसमें पार्टी के संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा कीराजधानी लखनऊ में मंगलवार को बसपा कार्यालय में पार्टी सुप्रीमो मायावती ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इसमें राज्य और जिला स्तर के प्रमुख पदाधिकारी शामिल रहे। बैठक में पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने, आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और संगठनात्मक कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।उन्होंने पार्टी संगठन की जमीनी व आर्थिक मजबूती, जनाधार विस्तार और चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने पूर्व में दिए गए दिशा-निर्देशों पर प्रगति रिपोर्ट को और बेहतर बनाने पर जोर देते हुए कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही को अस्वीकार्य बताया।अब बीएसपी से उम्मीदें बढ़ी-मायावती ने कहा कि सरकारों की जनहित के प्रति उदासीनता से जनता त्रस्त है और अब बीएसपी से उम्मीदें बढ़ी हैं। ऐसे में पार्टी कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा, मेहनत और लगन से काम करना होगा। उन्होंने विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी और रोटी-रोजी की समस्या पर चिंता जताते हुए कहा कि सरकारें केवल वादों और जुमलेबाज़ी तक सीमित हैं, जिससे आमजन की समस्याएं और गंभीर होती जा रही हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने क

हा कि देश क्या सिर्फ प्राइवेट सेक्टर पर ज्यादा निर्भर होकर आत्मनिर्भर बन सकता है? उन्होंने सवाल उठाया कि अगर विकास का फायदा कुछ मुटठीभर सत्ताधारी लोगों तक सीमित रहेगा तो आम जनता का भला कैसे होगा।पेट्रोल और दूसरे पेट्रोलियम उत्पाद महंगे हो गए हैं-अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध का जिक्र करते हुए मायावती ने कहा कि इसकी वजह से रसोई गैस, पेट्रोल और दूसरे पेट्रोलियम उत्पाद महंगे हो गए हैं। इससे रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़े हैं। सबसे ज्यादा असर गरीब और मेहनतकश लोगों पर पड़ा है। उनकी परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। सरकार को समय रहते ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि देश को नोटबंदी या कोरोना महामारी जैसी स्थिति का फिर से सामना न करना पड़े। आत्मनिर्भरता को सिर्फ नारा नहीं, बल्कि जमीन पर सच बनाना जरूरी है। महिला आरक्षण को लेकर मायावती ने कहा कि अगर कमजोर वर्गों की महिलाओं को अलग से आरक्षण नहीं मिलेगा, तो उनका सही विकास कैसे होगा। इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

केरल में कांग्रेस का चुनाव प्रचारः राहुल गांधी बोले- CPM अब वामपंथी नहीं; अदाणी का नाम लेकर भाजपा पर भी बरसे

केरल विधानसभा चुनाव में कुछ दिन ही बचे हैं। इसी बीच राज्य में चुनावी प्रचार तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार के दौरान माकपा और भाजपा पर जम कर निशाना साधा। उन्होंने कहाकि माकपा अब वामपंथी नहीं रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, यह चुनाव दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई है। राहुल गांधी केरल के कन्नूर में रैली संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह लड़ाई वाम मोर्चा (सीपीएम) की विचारधारा, यूडीएफ की विचारधारा और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा की बीच है। पहली बार हम देख रहे हैं कि भाजपा और वाम मोर्चा के बीच गठबंधन हो रहा है। सामान्य तौर पर, किसी वामपंथी दल का किसी अति दक्षिणपंथी दल के साथ गठबंधन करना काफी आश्चर्यजनक होता।सबरीमाला के बारे में क्यों नहीं बोलते-इसके साथ ही उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, जब हिंदू धर्म के तथाकथित रक्षक (प्रधानमंत्री) केरल आते हैं, तो सबरीमाला के बारे में कुछ नहीं कहते।उन्होंने कहा भाजपा मुख्यमंत्री (पिनारयी विजयन) का समर्थन कैसे कर रही है? पहली बात तो यह है कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, मंदिरों, धर्म और देवी-देवताओं की बात करते हैं। लेकिन जब वे केरल आते हैं, तो सबरीमाला मंदिर द्यह्लका मुद्दा नहीं उठाते। सीपीएम नेताओं ने सबरीमाला मंदिर से सोना चुराया, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं कि केरल विधानसभा चुनाव में एलडीएफ की जीत हो। केरल में राहुल गांधी ने कहा कि सीपीआई (एम) अब वामपंथी पार्टी नहीं बल्कि अति दक्षिणपंथी पार्टी है।अदाणी का नाम लेकर साधा निशाना- आगे उन्होंने कहा, 卐अदाणी भाजपा की वित्तीय संरचना का आधार है। इसीलिए अमेरिका में अदाणी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया है, लेकिन यह मामला अदाणी को निशाना नहीं बना रहा है। यह मामला मोदी और भाजपा को निशाना बना रहा है।

संपादकीय Editorial

Should we go this way or that?

How can we even manage the heap of state priorities, both inside and outside the House? It feels as if we're either passing time or pushing time. We're aboard a boat with no destination. Politics dictates we go this way, but we end up that way. Himachal's Jogindernagar-Pathankot railway line is lamenting its plight. MPs are telling us that one day the tracks will be widened, but the reality is that the journey from Pathankot doesn't reach Jogindernagar. Who stopped the Kangra Valley railway? Who is making empty promises in Parliament? It's surprising that trains aren't running where the tracks are, while political visionaries are saying, "Look there, tomorrow there's a spectacle." The Shimla-Kangra and Pathankot-Mandi four-lane roads are in a similar state. It's unclear when the Jasoor and Malan flyovers will give up their stubbornness. The pillars of stubborn development are visible in many places. The four-lane from Kangra doesn't even reach the tunnel. Major bridges and tunnels have been built, but the journey remains uninterrupted. Meanwhile, a tender for the Pinjore-Baddi-Nalagarh four-lane highway remains unfinished despite repeated complaints. Within the state, many buildings remain unfinished, while others, despite being completed, are desolate. Yet, the process continues. Every year, the Central University campus in Dharamshala's Jadrangal holds its own funeral procession, but no one cries. Neither the Congress nor the BJP. Many leaders have changed, governments have changed, but the political landscape remains flawless. The innocence of stalling a project is also strange. We have witnessed institutions rise and fall in the state, but the worst joke of this century is the Central University in Dharamshala. Is it stubbornness or tradition that a campus's death is not even followed by a funeral procession? The story began with the then BJP government and reached Chief Minister Prem Kumar Dhumal, MP Anurag Thakur, the late Kishan Kapoor, Jairam Thakur, and the Sukhwinder Sukhu government. Himachal's entire budget is being spent on this campus, so even development must be hiding its face. Why is the Central University campus in Dharamshala so unpopular with politics, despite the fact that nearly 15,000 students are living here from outside? The city boasts three dozen private libraries and numerous academies focused on competitive exams and entrance exams. The irony of a district headquarters is that after the prospect of a medical college, the university itself was wiped out. The same pattern is seen with tourism projects across the state. Many institutions are established with political influence, only to collapse with a thud. The tourist complex in Nurpur has been destroyed twice, and the cafe in Bhagsunag has been sold and converted into a mall. Who turned the cafe in Baijnath into a private junkyard? One wonders when the paragliding institute in Bir-Billing will open its eyes. It's a trivial matter: how important it is to install a lift in the Nainadevi campus, but one side says, "Look here," while the other says, "Look there." The irony is that Himachal is experiencing a cycle of unilateral development. During every government's tenure, development triumphs in certain areas, is defeated elsewhere, and is imposed elsewhere. Looking at the medical college building being constructed in Nahan, one has to ask which Todar Mal selected the land. Now, land is being sought outside the city, so whose wasteful expenditure will be discovered in the rubble of the already constructed buildings. It is the stubbornness of the majority, the dominance of politics, or empty arrogance that confuses development with progress in Himachal. Some MLAs want to speak on these issues, but the state doesn't listen.

Americans are afraid of Indians, restrictions are also harmful to America.

According to Pew Research, Hindus and Indians are the most educated in America, with 70% having a bachelor's degree or higher. The article also highlights the patriotism of Indians, while some Indian intellectuals present a negative image of India abroad. Pew Research: Indians are the most educated community in America. Indians have a deep love for their country. Americans are afraid of the success of Indians, restrictions are harmful. A recent Pew Research report stated that Hindus are the most educated of all religious groups in America, followed by the Jewish community. 70 percent of Hindus have a bachelor's degree or higher. Similarly, 65 percent of Jews have a bachelor's degree or higher. Compared to these two groups, only 35 percent of Americans have such an education. Four out of ten among Muslim, Buddhist, and Christian groups have a bachelor's degree. Protestant Christians also have above-average education, while Catholics have a lower education than the national average. A Pew Research report also indicates that most Indians who have come to the United States have pursued higher education. Another report stated that Indians have very few complaints about India. They do not participate in campaigns aimed at criticizing their own country. Only three percent of Indians hold negative opinions about their country. The number of people who dislike their country is 20 percent in the United States and 29 percent in Britain. People in countries like India, Spain, Canada, Indonesia, and others are also proud of the many languages ??spoken in their countries. This conclusion was drawn from interviews with 30,000 people from 25 countries. Among the three percent who criticize their own country, India, the majority appear to be intellectuals, especially those working in the field of education. This author witnessed an example of this during a recent visit to the United States. A symposium on India was held at a major university. The speakers were senior Indian professors from the university. Throughout his nearly two-hour address and the PPT presentation, he repeatedly reiterated that this country has this evil, that evil. Nothing has happened here. Economically and educationally, it's backward. Women's performance is particularly poor. The statistics he presented were somehow sourced from nowhere. They painted a picture of India as a deeply backward country. Undoubtedly, much remains to be done for our population, but the claim that nothing has been done is beyond the facts. After the symposium, this writer went to meet the professor and asked him why he had assumed that India held no hope and was a worthless country. Since he was an acquaintance, he accompanied him as he left. What he said as he sat in his car was astonishing. He said, "If we don't do this, who will care about us?" In other words, if someone asks us, if our careers flourish, if we reach the pinnacle of fame, then we will say that India is worthless." After all, what is this if not dishonesty? A few decades ago, a girl I knew worked for a large international organization, frequently traveling to many countries. Once, she went to a seminar in the United States. An American girl, upon seeing her, asked with disgust, "What are you doing here? What do you know?" On the one hand, Pew Research suggests that Indians, mostly Hindus, are the most educated. On the other hand, Trump's statements in recent years confirm his fear that Indians might destroy what little space he has left. That's why various restrictions are being imposed on Indians to prevent them. One reason for this is that American citizens have no particular interest in education and improving their skills. That's why educated people from around the world work in large numbers in America's various world-renowned organizations. Indians dominate Silicon Valley, which America boasts. That's why efforts are now underway to prioritize Americans in employment. Such statements are being made by the US government itself. After all, who can stop this from happening? But to do so, we must also develop that capability in our citizens. Although major American industrialists have said that stopping Indians would be detrimental to America itself. Indians generally have a very positive image abroad. An Indian woman working for Australia's largest radio group once said that we are considered a peace-loving group, minding our own business. I also experienced the patriotism of Indians that Pew Research described. Once, while traveling to France, I met a Muslim woman. She sadly said that she hadn't been to India in five years. She misses her country terribly. There is nothing better than her own. Her eyes filled with tears as she said this. In fact, it is this country that nurtures us and gives us our identity, but some people forget this. Surprisingly, most of them are intellectuals.

New Wings to Progress, Inauguration of the First Phase of Noida International Airport

Prime Minister Modi inaugurated the first phase of Noida International Airport in Jewar, calling it a symbol of India's new energy. It will reduce pressure on Delhi Airport and enhance connectivity to the National Capital Region. Prime Minister Modi inaugurated Noida International Airport. Uttar Pradesh is the first state to have five international airports. The MRO facility will enable aircraft servicing within the country. Inaugurating the first phase of Noida International Airport in Jewar, Prime Minister Narendra Modi rightly called it a symbol of India's new energy. The need for this airport arose not only because of the increased pressure on Delhi International Airport but also to strengthen the connectivity of the National Capital Region. Airports are not just transportation facilities; they also provide new wings to progress. This airport is both an achievement and an opportunity for the NCR and a large region of Uttar Pradesh. There is a strong possibility that Noida Airport will not only accelerate the development of this region but will also provide new opportunities for growth for the youth and businesses here. With the Noida International Airport, Uttar Pradesh has become the first state in the country to have five international airports. This is undoubtedly an achievement for Uttar Pradesh. It should not be overlooked that the number of airports in the country has increased rapidly in recent years. Fifteen years ago, there were approximately 75 airports in the country; today, their number has increased to over 160. This clearly indicates that the country is progressing and air connectivity is reaching new areas. In today's era, the perception that air travel is only available to the wealthy is no longer correct. In fact, it has now become a necessity for the common man as well. There is no doubt that air travel facilities are expanding in the country, but much work still needs to be done in the aviation sector. This is indicated by the Prime Minister's statement that our country currently lacks adequate aircraft servicing facilities. It is surprising that even today, 85 percent of aircraft have to be sent abroad for servicing. It is good that the MRO (Maintenance, Repair, Overhaul) facility was also inaugurated at the Noida Airport. This facility should be made available at other airports in the country. All political parties should also introspect on why there is such a gap between the conception and implementation of infrastructure and civic amenities projects. The proposal to establish an international airport in Noida was made by Rajnath Singh in 2001 as Chief Minister of Uttar Pradesh. Subsequent Chief Ministers also took the initiative, but for various reasons, the project could not move forward, resulting in a 25-year delay. This delay has been a significant drain on national resources.

Bengal Assembly Elections 2026: Why is Mamata Banerjee feeling an undeclared emergency?

Mamata Banerjee is facing the toughest battle of her electoral career. As such, she is simultaneously attacking both the main opposition party and the Election Commission. She is directly alleging that this election is being held under an undeclared emergency, with the connivance of both. "No matter how much you secretly impose President's rule, I alone am a hundred. I am speechless at this fear! You don't even have the courage to discuss it with me. The Chief Secretary, Home Secretary, DGP, CP, have all been changed. If any accident happens, the BJP and Vanish Kumar (Gyanesh Kumar) will be responsible. After a month, only I and my people will be left. What will happen then?" Chief Minister Mamata Banerjee is beginning her election rally with this statement. Meanwhile, Ark Kumar Nag, a member of the panel of lawyers representing the Mamata government and the TMC, has filed a Public Interest Litigation (PIL) in the Calcutta High Court. The hearing has begun before a bench comprising Chief Justice Sujay Pal and Justice Parthasarathi Sen. During the hearing, Trinamool Congress MP and lawyer Kalyan Banerjee is presenting his case. Kalyan Banerjee asked whether President's rule has been imposed. The transfers that have taken place are typical only during President's rule. 63 police officers, 16 IAS officers, and 13 police superintendents have been removed from their posts so far. There's no guarantee that more transfers will be imposed. Why does Mamata Banerjee, her party leaders, workers, and supporters feel that undeclared President's rule has been imposed? Voting in this state used to take place in seven to eight phases; this time, voting will take place in two phases on April 23 and 29. This two-phase voting is taking place after 49 years; the last two-phase voting was in 1977 during the Janata Party's rule. The more phases of voting in Bengal, the more it benefits the ruling party. The Election Commission announced the assembly elections on the evening of March 15th. That same night, the Election Commission removed Chief Secretary Nandini Chakraborty, Home Secretary Jagdish Prasad Meena, DGP, CP Kolkata, ADG Law and Order, and DIG from their posts and announced new appointments. Mamata Banerjee was deeply upset by this and reassigned most of the removed officers. The Election Commission cancelled Navanna's appointment and sent fifteen IPS officers as observers to the other election-bound states of Tamil Nadu, Kerala, Assam, and Puducherry. Three days later, on March 18th, the Election Commission transferred the District Magistrates of 11 districts in the state. These districts are Cooch Behar, Jalpaiguri, North Dinajpur, Malda, Murshidabad, Nadia, East Burdwan, North 24 Parganas, South 24 Parganas, Darjeeling, and Alipurduar. Subsequently, on March 23, the Election Commission transferred the returning officers of 73 out of 294 assembly seats. This includes Surajit Roy, a 2011-batch WBCS from Nandigram, who has been transferred to Bhawanipur. It's worth noting that Nandigram MLA and opposition leader Suvendu Adhikari is contesting against.

यूपी में फिर बावनखेड़ी कांड जैसी साजिश!: परिवार को बेहोश कर प्रेमी संग युवती फरार, पांच अप्रैल को आनी थी बरात

यूपी के अमरोहा में नशीला पदार्थ खिलाकर परिवार को बेहोश कर युवती प्रेमी के साथ फरार हो गई। युवती की पांच अप्रैल को बरात आनी थी। इस मामले ने एक बार फिर चर्चित बावनखेड़ी शबनम कांड की याद दिला दी। पीड़ित और उसके दोस्त के खिलाफ बावनखेड़ी शबनम कांड की अमरोहा देहात क्षेत्र में सामने आई परिवार को नशीला पदार्थ फरार हो गई। घटना के बाद परिवार की शिकायत पर पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू बरात-यह मामला अमरोहा देहात परिवार रहता है। किसान ने

परिवार की शिकायत पर पुलिस ने युवती के प्रेमी प्राथमिकी दर्ज कर दी है।अमरोहा जिले के चर्चित याद दिलाने वाली एक सनसनीखेज घटना थाना है। यहां एक युवती ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर खिलाकर बेहोश कर दिया और फिर उसके साथ परिवार में दहशत का माहौल है। मामले में पीड़ित ने युवती के प्रेमी और उसके दोस्त के खिलाफ कर दी है।पांच अप्रैल आनी थी किसान की बेटी की थानाक्षेत्र के एक गांव का है। यहां पर किसान का अपनी बेटी की शादी तय कर दी थी। पांच अप्रैल बरात आनी थी। इसके लिए घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं। आरोप है कि 29 मार्च की रात करीब आठ बजे गांव के ही रिजवान और उसका दोस्त जुनैद उनके घर पहुंचे। दोनों ने किसान की बेटी के साथ योजना के तहत खाने में नशीला पदार्थ मिला दिया। खाना खाने के बाद किसान सहित पूरे परिवार के लोग बेहोश हो गए। बेहोश लोगों को कराया अस्पताल में भर्ती-रात में जब घर से कोई हलचल नहीं हुई तो पड़ोसी मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि परिवार के सभी सदस्य अचेत अवस्था में पड़े थे। घटना के बाद ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। हर कोई अचंभित रहा गया। ग्रामीणों ने आनन-फानन परिवार के सभी बेहेश सदस्यों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। होश आने पर किसान ने अपनी बेटी को गायब पाया। काफी तलाश के बाद पता चला कि रिजवान उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है, जिसमें जुनैद की भूमिका रही। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है और शादी की खुशियां मातम में बदल गई हैं। गौरतलब है कि अमरोहा का बावनखेड़ी शबनम कांड भी इसी तरह की साजिश से जुड़ा था, जिसमें पूरे परिवार को नशीला पदार्थ देकर मौत के घाट उतार दिया गया था। हालांकि, इस मामले में किसी की मौत नहीं हुई, लेकिन घटना ने लोगों को उस खौफनाक वारदात की याद दिला दी है। ,सीओ अवधभान भदोरिया ने बताया कि मामले में रिजवान और जुनैद के खिलाफ युवती को बहलाकर ले जाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मामला प्रेमप्रसंग से जुड़ा है। जल्दी ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

69 केंद्रों पर गेहूं खरीद का इंतजाम, किसानों के इंतजार में दिखे प्रभारी

मुरादाबाद। जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत 69 गेहूं क्रय केंद्र सोमवार से सक्रिय कर दिए गए। क्रय केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं व औपचारिकताएं केंद्र प्रभारियों ने पूरे कराए। हालांकि गेहूं अभी केंद्रों पर नहीं पहुंचा है। वहीं काफी मात्रा में गेहूं की फसल खेतों में तैयार है। सोमवार से 69 केंद्रों पर प्रभारी किसानों का इंतजार करते दिखे। जिला खाद्य विपणन अधिकारी विनीता मिश्रा ने बताया कि सभी केंद्रों पर किसानों से सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर गेहूं क्रय के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। आवश्यक उपकरण और अभिलेख सुनिश्चित करा दिए गए है, जिससे किसानों को असुविधा न हो। मुरादाबाद में 2409 किसानों का पंजीकरण किया जा चुका है। जिसका सत्यापन तहसील स्तर पर प्रगति पर है। किसानों से अनुरोध है कि वह खाद्य विभाग की वेबसाइट द्धष्द्य.द्धश्च.द्द्भ1.द्धठ्ठ अथवा किसान मित्र ऐप के माध्यम से पंजीकरण करा नजदीकी सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं का विक्रय करें। रामपुर में है सर्वाधिक खरीद केंद्र-गेहूं खरीद के लिए मुरादाबाद संभाग में रामपुर में सर्वाधिक 114, मुरादाबाद में 69, संभल में 62, अमरोहा में सबसे कम 36, बिजनौर में 50 केंद्र निर्धारित किए गए हैं। संभागीय खाद्य विपणन अधिकारी ने बताया कि बिक्री के समय केन्द्रों पर स्वयं मौजूद न होने पर पंजीकरण प्रपत्र में परिवार के नामित सदस्य (माता/पिता, पति/पत्नी पुत्र/पुत्री, दामाद/पुत्रवधू, सगा भाई / सगी बहन) का विवरण व मोबाइल नंबर फीड कराना जरूरी है। बताया कि सरकारी केंद्रों पर बटाइदारों से भी गेहूं की खरीद की जाएगी। बशर्ते ऐसे पंजीकृत मूल किसान और बटाईदार के मध्य लिखित सहमति हो।

रामगंगा में डूबे युवक की तलाश तेज, एनडीआरएफ टीम ने संभाला मोर्चा

रामगंगा नदी में नहाते समय डूबे युवक की तलाश दूसरे दिन भी जारी है। मंगलवार को प्रशासन ने तलाश अभियान तेज करते हुए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम को मौके पर बुलाया। जिसने नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। अभी निवासी आले हसन का बेटा मोइस उर्फ मोनू (20) सोमवार में चला गया और डूब गया। साथियों के शोर मचाने पर मदद से तलाश अभियान चलाया जा रहा था, लेकिन सफलता और तेज कर दिया गया। टीम आधुनिक उपकरणों के जरिए का रो-रोकर बुरा हाल है। बड़ी संख्या में लोग भी नदी अधिकारी मौके पर डटे हुए हैं। खबर लिखे जाने तक सर्च

तक युवक का कोई पता नहीं चल सका। बताते चले कि कस्बे के मोहल्ला खटपुर दोपहर अपने दोस्तों के साथ रामगंगा नदी में नहाने गया था। इसी दौरान वह गहरे पानी परिजन और पुलिस मौके पर पहुंच गई थी।घटना के बाद से ही स्थानीय गोताखोरों की नहीं मिल सकी। मंगलवार सुबह एनडीआरएफ टीम के पहुंचने के बाद अभियान को नदी के गहरे हिस्सों में युवक की तलाश कर रही है। उधर, घटना के बाद से परिजनों किनारे जुटे हुए हैं और युवक के मिलने का इंतजार कर रहे हैं। पुलिस और प्रशासनिक ऑपरेशन जारी था, लेकिन युवक का कोई सुराग नहीं मिल सका।

कैमरे की नजर फिर भी वाहन चालकों की मनमानी से आए दिन शहर जाम

मुरादाबाद। शहर के अधिकांश शापिंग कॉम्पलेक्सों व बड़ी दुकानों में पार्किंग स्थल न होने से ग्राहकों के वाहन सड़क किनारे खड़े होते हैं। जिससे आए दिन जाम लगता है। दूसरी ओर जाम का प्रमुख कारण शहर में 5000 से हैं। इनकी मनमानी से चौराहा जाम से जूझता है। सोमवार को तो और बुरी जाम में स्कूली वाहनों के फंसते हैं जिससे लोगों हैं। कहने को तो शहर में निगरानी स्मार्ट सिटी पीलीकोठी परिसर में 2 अधिक की लागत से बने कंट्रोल सेंटर से जुड़े 256 होती है। जिसकी विभाग करता है। नजर में शहर की हर प्रमुख चौराहे हैं फिर भी वाहन व बेतरतीबी से आए दिन गिरफ्त में रहता है। इसके कॉम्लेक्सों, होटलों, पार्किंग के पर्याप्त प्रबंध सड़क पर मनमाने तरीके

अधिक ई रिक्शा भी शहर का हर चौक सप्ताह के पहले दिन स्थिति रहती है। अलावा एंबुलेंस भी की मुश्किलें बढ़ती ट्रैफिक व्यवस्था की लिमिटेड की ओर से अरब 32 करोड़ से एकीकृत कमांड एंड सेंसरयुक्त कैमरों से मॉनीटरिंग पुलिस सेंसरयुक्त कैमरे की सड़कें व चौक चालकों की मनमानी शहर जाम की लिए शापिंग बैंक्वेट हालों में न होने के साथ ही से दौड़ रहे 5000 से अधिक ई-रिक्शा हैं।निगम की बैठकों में कई बार उठा मुद्दा-नगर निगम की बैठकों में भी शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था पर महापौर व पार्षद नाराजगी जताकर अनाधिकृत ई-रिक्शा का संचालन रोकने की मांग उठ चुकी है। लेकिन यातायात पुलिस प्रभावी मॉनीटरिंग नहीं कर पा रही है। एमडीएम की स्वीकृति बिना हुआ निर्माण-बिना पार्किंग स्थल के बने शापिंग कांम्पलेक्स, रेस्टोरेंट, होटलों का नक्शा एमडीएम द्वारा पास कर दिए जाने से भी इसे बढ़ावा मिल रहा है। जबकि नियमानुसार बिना पार्किंग स्थल के इसकी अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। कहने को तो नगर निगम ने टाउनहाल में मल्टीस्टोरी पार्किंग बना दिया है फिर भी इस क्षेत्र में दोपहिया व चार पहिया वाहन सड़क पर ही जहां तहां खड़े मिलते हैं। डीएम अनुज सिंह ने बताया कि शहर की यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित व सुचारू रखने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। इसका प्रभावी पालन सुनिश्चित कराएंगे।

दूसरे समुदाय की युवती को भगा ले जाने के मामले में FIR दर्ज

क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी 18 वर्षीया पुत्री शनिवार को 1ः00 घर में टीवी देख रही थी। वह किसी काम से घर लौटी तो वह नहीं मिली। आरोप है कि उसे दूसरे समुदाय का शिवम सैनी पुत्र ओमपाल सिंह ग्राम किरतपुरी थाना छजलैट पर बहला फुसलाकर ले गया है। थाना कांठ पुलिस ने तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत कर लिया है।पिता-पुत्री के साथ घर में घुसकर मारपीट भोजपुर के ग्राम नरोरा निवासी वाजिद अली ने पुत्री रुबीना की शादी छजलैट थाना क्षेत्र के ग्राम जमालपुर निवासी उस्मान के साथ डेढ़ वर्ष पूर्व की थी। उस्मान केरल में रहकर मजदूरी का कार्य करता है। घर पर उसकी पत्नी रुबीना अकेली रहती है। 16 मार्च को दोपहर 2ः30 बजे राशिद, सना, रुखसार, अलफिजा निवासी बैरमपुर उसके घर पहुंचे और आरोपियों ने लाठी डंडों व सरिया से उसके साथ मारपीट की। राशिद ने रुबीना के सिर में सरिया से हमला कर उसका सिर फोड़ दिया। बचाने आए उसके पिता वाजिद अली ग्राम नरोरा थाना भोजपुर के साथ भी मारपीट की। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए भेज कर तहरीर के आधार पर सभी आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

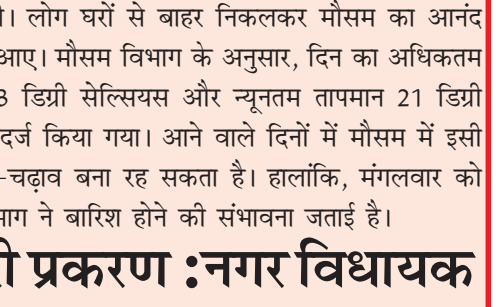

पॉश कॉलोनी में चल रहा था देह व्यापार, सात लोग गिरफ्तार, दिल्ली से बुलाई गई थी महिलाएं

मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र स्थित बुद्धि विहार की पॉश कॉलोनी में पुलिस ने छापेमारी कर देहव्यापार का भंडाफोड़

किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से दो युवतियों समेत पांच युवकों को गिरफ्तार किया है।पुलिस को लंबे समय से इस इलाके में अवैध गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। इसी आधार पर टीम ने एक आलीशान मकान पर छापा मारा, जहां आपत्तिजनक स्थिति में युवक-युवतियां पाए गए।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह रैकेट काफी समय से संचालित किया जा रहा था। इस रैकेट के लिए दिल्ली से लड़कियों को बुलाया जाता था। पुलिस ने मौके से तीन कारें भी बरामद की हैं। इस अवैध धंधे में इस्तेमाल किया जा रहा था। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

दिन में तेज धूप, शाम को मौसम बदलने पर ठंडी हवा से राहत

मुरादाबाद। सोमवार सुबह से ही धूप और गर्मी रही, शाम को अचानक मौसम ने करवट ली और ठंडी हवा से मौसम सुहाना हो गया। मौसम विभाग के अनुमान के अनुरुप मौसम अचानक बदला। शाम करीब चार बजे बादल छा गए और ठंडी हवा चलने लगी। लोग घरों से बाहर निकलकर मौसम का आनंद लेते नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार, दिन का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आने वाले दिनों में मौसम में इसी तरह उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। हालांकि, मंगलवार को मौसम विभाग ने बारिश होने की संभावना जताई है।

धीमरी प्रकरण :नगर विधायक ने मंडलायुक्त को लिखा पत्र, जल्द जांच पूरी करने की मांग

मुरादाबाद । धीमरी में सीएम कंपोजिट विद्यालय के लिए चिह्नित सरकारी अभी चर्चा में है। निर्देश पर अपर वित्त एवं राजस्व पैमाइश करा रही सोमवार को नगर

भूमि का मामला मंडलायुक्त के अमरोहा की जिलाधिकारी इसकी जांच व हैं। इस बीच विधायक रितेश गुप्ता ने मंडलायुक्त को पत्र लिखकर सरकारी भूमि पर कुछ लोगों की नजर होने की बात कहकर जांच जल्द पूरी कराने की मांग की है। नगर विधायक रितेश गुप्ता ने मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह को लिखे पत्र में बताया है कि उनके विधानसभा स्थित धीमरी गांव में जिला प्रशासन द्वारा कंपोजिट विद्यालय के लिए जमीन चिह्नित की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि शौकीन, चांद बाबू, मोहम्मद शाह आदि द्वारा सरकारी भूमि को खुर्द बुर्द किया जा रहा है। इस प्रकरण में गठित मंडलीय जांच कमेटी से जांच जल्द पूरा कराकर रिपोर्ट मंगाने का अनुरोध किया है। विधायक की मानें तो कुछ लोग न्यायालय का सहारा लेकर इस प्रकरण को लंबित कराकर सीएम कंपोजिट विद्यालय को किसी अन्य विधानसभा में ले जाना चाहते हैं। विधायक ने जनहित में विद्यालय का जल्द निर्माण कराने की मांग की है

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मण्डलायुक्त महोदय द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय एवं सदर तहसील के विभिन्न पटलों का किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ मंडलायुक्त बरेली मण्डल बरेली भूपेन्द्र एस. चैधरी द्वारा आज लम्बित वाद, खनन पट्टे, राजस्व वसूली विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुये आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने कलेक्टेऊट कार्यालय के विभिन्न पटलों राजस्व अभिलेखागार, नजारत, शस्त्र अनुभाग, सीआरए कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने राजस्व अभिलेखागार के निरीक्षण के दौरान बस्तों के रख-रखाव एवं बस्तों को खुलवाकर अभिलेखों की जॉच की। नजारत के निरीक्षण के दौरान आकस्मिक अवकाश पत्रावली, नागरिकता पत्रावली व अन्य महत्वपूर्ण पत्रावलियों का अवलोकन किया। सीआरए कार्यालय के निरीक्षण के दौरान दुर्घटना मुआवजा से सम्बन्धित पत्रावलियों की जॉच की। शस्त्र अनुभाग के निरीक्षण के दौरान उन्होंने असलहो की संख्या के संबंध में जानकारी प्राप्त की। तहसील सदर में रजिस्ट्रार, कानूनगो कार्यालय, आईजीआरएस कार्यालय, संग्रह कार्यालय का निरीक्षण किया व चकबन्दी से सम्बन्धित कार्यों की जानकारी प्राप्त करते हुये आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) प्रसून द्विवेद्वी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रोशनी यादव, नगर मजिस्टेऊट विजय वर्धन तोमर, नायब तहसीलदार, प्रशासनिक अधिकारी, नाजिर सहित पटल सहायक उपस्थित रहे।

डीएम के प्रयासों से बरेली को विकास की बड़ी सौगात

47.63 करोड़ के 98 कार्यों को मिली मंजूरी, शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों सहित कई विकास कार्य होंगे शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /बरेली। बरेली में विकास की रफ्तार को एक नई दिशा मिली है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के अथक प्रयासों के चलते त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत जिले को बड़ी सौगात मिली है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद बरेली के लिए कुल 98 विकास कार्यों को प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इन कार्यों पर लगभग 47 करोड़ 63 लाख रुपये की लागत आएगी। इन स्वीकृत परियोजनाओं के लिए पहली किश्त के रूप में 22 करोड़ 89 लाख रुपये जारी किए गए हैं, जो जिलाधिकारी के नियंत्रण में रहेंगे और निर्धारित शर्तों के तहत खर्च किए जाएंगे। इन विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाने के लिए ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, बरेली को कार्यदायी संस्था बनाया गया है। अगर कार्यों के बंटवारे की बात करें, तो- शहरी क्षेत्रों में सड़कों के सुधार के लिए लगभग 4 करोड़ 80 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में नई सड़कों के निर्माण हेतु 18 करोड़ 9 लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लिए अलग-अलग कार्यकारी आदेश जारी किए गए हैं, जिनमें कार्यों का पूरा विवरण, शर्तें और दिशा-निर्देश शामिल हैं। कोषागार से धनराशि आहरित कर संबंधित विभाग को उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके। जिलाधिकारी के प्रयासों से बरेली में विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद है, जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

कूड़े से बनेगी गैस सथरपुर में लगेगा सीबीजी प्लांट, वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट को हरी झंडी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। कमिश्नर सभागार में विगत दिवस बरेली स्मार्ट सिटी लिमिटेड की बोर्ड बैठक में शहर के भविष्य को लेकर कई क्रांतिकारी निर्णय लिए गए। बैठक का मुख्य केंद्र %%सिटीज 2.0%% परियोजना और कचरा प्रबंधन रहा। बैठक में सबसे महत्वपूर्ण फैसला सथरपुर में 100 टन क्षमता का कंप्रेस्ड बायो-गैस (सीबीजी) प्लांट स्थापित करने का लिया गया। यह प्लांट न केवल बरेली के गीले कचरे, गोबर और स्लज का वैज्ञानिक निस्तारण करेगा, बल्कि शहर को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। बैठक के दौरान ईरान-इजरायल के बीच बढ़ते वैश्विक तनाव और एलपीजी जैसे ईंधनों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनिश्चितता पर भी चर्चा हुई। बोर्ड का मानना है कि वैश्विक संकट के समय बाहरी ईंधनों पर निर्भरता कम करने के लिए स्थानीय स्तर पर बायो-गैस जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना समय की मांग है। इसी सोच के साथ बरेली में अब गीले कचरे और गोबर से सीबीजी गैस बनाने का खाका खींचा गया है। अधिकारियों ने बताया कि सथरपुर में बनने वाला आधुनिक सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट एक रोल मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां कचरे को कंचन (ऊर्जा) में बदलने की प्रक्रिया पूरी तरह वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुकूल होगी।

स्मार्ट मीटरों के खिलाफ व्यापारियों का प्रदर्शन, डीएम से कार्रवाई की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत -ज रीडिंग, बढ़े बिल और बिना सहमति मीटर बदलने पर जताई नाराजगी जनपद में लगाए जा रहे स्मार्ट बिजली मीटरों को लेकर व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं में असंतोष गहराता जा रहा है। तहसील अमरिया के उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल (रजि.) ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर स्मार्ट मीटरों में कथित अनियमितताओं पर रोक लगाने और जांच कराने की मांग की है। मंडल के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर पुराने डिजिटल मीटरों की तुलना में अधिक तेज रीडिंग दर्ज कर रहे हैं, जिससे बिजली बिलों में अचानक वृद्धि हो रही है। इससे छोटे व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि रिचार्ज आधारित व्यवस्था में बैलेंस समाप्त होते ही बिजली आपूर्ति तत्काल बाधित हो जाती है। वहीं, सर्वर संबंधी समस्याओं के चलते रिचार्ज के बाद भी कई बार बिजली बहाल नहीं हो पाती, जिससे व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। इसके अलावा, उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली, शुल्क और रिचार्ज प्रक्रिया की समुचित जानकारी नहीं दी जा रही है। कई स्थानों पर बिना सहमति के पुराने मीटर हटाकर स्मार्ट मीटर लगाए जाने की शिकायत भी सामने आई है। व्यापार मंडल ने जिलाधिकारी से निष्पक्ष तकनीकी जांच, जबरन मीटर बदलने पर रोक, उपभोक्ताओं को पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने और सर्वर व आपूर्ति संबंधी समस्याओं के स्थायी समाधान की मांग की है। मंडल का कहना है कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो व्यापारी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

रामपुर बाग के बिजली विभाग के पुराने गोदाम में लगी आग, तीन फायर यूनिटों ने आग पर पाया काबू

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। रामपुर बाग में मंगलवार को प्रातः लगभग 11ः30 बजे देवेंद्र गंगवार द्वारा आग लगने की सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई। सूचना प्राप्त होते ही फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर पहुंचकर देखा कि अधिशासी अभियंता वाणिज्यक अनुभाग द्वितीय, 35-बी रामपुर बाग स्थित पुराने गोदाम में रखे बिजली के मीटर एवं अन्य सामान में भीषण आग लगी हुई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अग्निशमन विभाग की तीन यूनिटों को मौके पर लगाया गया। टीम द्वारा मोटर फायर (एमएफ) पंपिंग के माध्यम से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। घटनास्थल पर प्रभारी अग्निशमन केंद्र सिविल लाइंस एवं मुख्य अग्निशमन अधिकारी मनु शर्मा स्वयं मौजूद रहे और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी करते रहे। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। समय रहते आग पर काबू पा लेने से किसी बड़ी जनहानि की सूचना नहीं है।

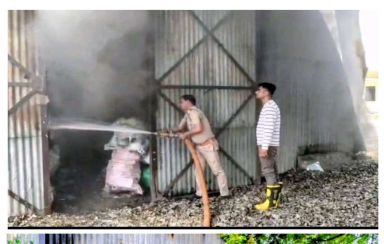

रामायण वाटिका में लेजर शो का ट्रायल , रोशनी से दमकी भगवान राम की प्रतिमा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। रामगंगानगर आवासीय योजना स्थित रामायण वाटिका में सोमवार शाम लेजर शो का सफलतापूर्वक ट्रायल किया गया। इस दौरान सतरंगी रोशनी और भगवान राम के जीवन प्रसंगों के चित्रण ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लेजर शो के दौरान रामायण वाटिका में स्थापित 51 फुट ऊंची भगवान राम की कांस्य प्रतिमा दमक उठी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का लोकार्पण जल्द ही मुख्यमंत्री के हाथों प्रस्तावित है। ट्रायल के दौरान मौजूद बरेली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मनिकंडन ए. ने लेजर शो की बारीकियों और तकनीकी गुणवत्ता को परखा। उन्होंने बताया कि रामायण वाटिका को इस तरह तैयार किया गया है कि यहां आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक त्रेता युग की अनुभूति कर सकें। वाटिका में भगवान श्रीराम के जीवन और उनके संघर्षों से जुड़ीं महत्वपूर्ण स्मृतियों को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया गया है। आस्था का केंद्र बनेगी रामायण वाटिका - वाटिका में केवल लेजर शो ही नहीं, बल्कि विभिन्न कलाकृतियों और प्रतीकों के माध्यम से भगवान राम के आदर्शों को भी दर्शाया गया है। यह न केवल स्थानीय लोगों के लिए मनोरंजन और आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि बरेली के पर्यटन मानचित्र पर भी एक प्रमुख स्थान के रूप में उभरेगा। ट्रायल के सफल होने के बाद अब प्रशासन उद्घाटन की अंतिम तैयारियों में जुट गया है। माना जा रहा है कि रामायण वाटिका को जल्द ही शहरवासियों के लिए खोला जा सकता है। 33 हजार वर्ग मीटर में फैली है रामायण वाटिका - बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने रामगंगानगर के सेक्टर दो में 33 हजार वर्ग मीटर में रामायण वाटिका बनाई गई है। यहां वनवासी राम की कांस्य प्रतिमा स्थापित की गई है। करीब नौ करोड़ की लागत से 51 फुट ऊंची भगवान राम की कांस्य प्रतिमा सुप्रसिद्ध मूर्तिकार रामसुतार ने तैयार की है। यह प्रतिमा रामायण वाटिका के बीचोंबीच स्थापित की गई है।

महिलाओं को उनके सम्मान सुरक्षा वे सरकारी योजनाओं तथा हेल्प लाइन नंबरों के बारेमे जागरूक कराया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ सिकंदर राजा / मुरादाबाद चल रहे मिशन शक्ति अभियान के सम्बन्ध जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे- समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना कन्या सुमंगला योजना , प्रधानमंत्री मातृ वंदना सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए हिंसा हेल्पलाइन-181 पुलिस आपातकालीन नंबर -1076 चाइल्ड लाइन 1098 साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गई व पंपलेट मुरादाबाद थाना मुगलपुरा मिशन शक्ति अभियान फेज अ- 5.0 के अंतर्गत महिलाओं व बालिकाओं के साथ गोष्ठी कर सरकार द्वारा चलाई विधवा पेंशन योजना वृध्दावस्था पेंशन योजना सुकन्या मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ,कृषि कर भुगतान योजना, योजना आदि से अवगत कराते हुए एवं महिलाओं को उनकी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वूमेन पावर लाइन-1090 घरेलू सेवा -112 स्वास्थ्य सेवा- 102,108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन क्राइम 1930, आदि के बारे में जागरूक किया गया तथा साइबर वितरण किए गए रूस्ज्ञ 02 थाना mughalpura जनपद

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

1 अप्रैल से शुरू होगी जनगणना 2027 की प्रक्रिया

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत -देश में जनगणना 2027 की प्रक्रिया 1 अप्रैल 2026 से शुरू होने जा रही है। पिछली जनगणना वर्ष 2011 में हुई थी, जिसके बाद अब करीब 15 साल बाद यह कार्य कराया जा रहा है। सरकार द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार जनगणना दो चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में गृह सूचीकरण का कार्य 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2026 के बीच किया जाएगा। दूसरे चरण में जनसंख्या गणना 9 फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक होगी। इस बार जनगणना डिजिटल माध्यम से की जाएगी। लोगों को अपनी जानकारी स्वयं ऑनलाइन भरने की सुविधा भी दी जाएगी। इसके लिए एक यूनिक कोड जारी होगा, जिसे प्रगणक के साथ साझा करना होगा। उत्तर प्रदेश में स्व-गणना की सुविधा 7 मई से 21 मई 2026 तक रहेगी, जबकि गृह सूचीकरण का कार्य 22 मई से 20 जून 2026 के बीच किया जाएगा। जनगणना के आंकड़े सरकार की विभिन्न योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

अब खुद ड्राइवर बनी नारी शक्ति, बरेली में महिलाओं ने थामी स्टेयरिंग

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर की सड़कों पर अब बदलाव साफ नजर आने लगा है। व्यस्त चौराहों से लेकर संकरी गलियों तक, महिलाएं स्कूटी और कार की स्टेयरिंग संभालते हुए आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। यह बदलती तस्वीर न केवल उनके बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाती है, बल्कि समाज में आ रहे सकारात्मक बदलाव की भी गवाही दे रही है। परिवहन विभाग के ताजा आंकड़े इस परिवर्तन को मजबूती से साबित कर रहे हैं। साल 2022-23 में जहां सिर्फ 730 महिलाओं ने ड्राइविंग लाइसेंस बनवाया था, वहीं 2023-24 में यह संख्या थोड़ी घटकर 528 रही। लेकिन इसके बाद महिलाओं ने रफ्तार पकड़ी और पीछे मुड़कर नहीं देखा- 2024-25 में यह आंकड़ा बढ़कर 1,122 पहुंच गया 2025-26 में नया रिकॉर्ड बनाते हुए 1,580 महिलाओं ने लाइसेंस हासिल किया ये आंकड़े बताते हैं कि अब महिलाएं केवल सहयात्री नहीं रहीं, बल्कि अपनी मंजिल खुद तय करने वाली ड्राइवर बन चुकी हैं। शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता ने उन्हें आगे बढ़ने की ताकत दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि महिलाओं का इस तरह से आगे आना समाज में समानता और आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम है। परिवारों का सहयोग और सरकारी पहल भी इस बदलाव में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

खाते में नहीं आई छात्रवृत्ति, छात्र हुए परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिला समाज कल्याण अधिकारी के कार्यालय में मंगलवार को कई छात्र पहुंचे। छात्रों का कहना है कि उनके खाते में छात्रवृत्ति नहीं आई है। जबकि लखनऊ से छात्रवृत्ति भेज दी गई है। जिला समाज कल्याण अधिकारी का कार्यालय वित्तीय वर्ष के समापन को देखते हुए खुला रहा। छात्रों का कहना है कि वह काफी देर से कार्यालय में भटक रहे हैं लेकिन उनको सही जवाब नहीं दिया जा रहा है। आखिर उनके खाते में छात्रवृत्ति क्यों नहीं आई है और छात्रवृत्ति कब तक आ जाएगी, इसकी जानकारी के लिए एक घंटे से कार्यालय में भटक रहे हैं।

अब परिषदीय विद्यालयों में नए सत्र से डिजिटल उपस्थिति अनिवार्य

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / ?बरेली। जिले के परिषदीय विद्यालयों में एक अप्रैल से शुरू हो रहे नए शैक्षिक सत्र 2026-27 में डिजिटल उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. विनीता ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि प्रत्येक विद्यालय में पंजीकृत छात्र-छात्राओं की उपस्थिति प्रतिदिन प्रेरणा पोर्टल पर अपलोड की जाए। ?पूर्व में जारी निर्देशों के बावजूद कई विद्यालयों द्वारा शत-प्रतिशत उपस्थिति अपलोड नहीं की गई थी, जिस पर विभाग ने नाराजगी जताई है। अब स्पष्ट किया गया है कि सभी खंड शिक्षा अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निगरानी करते हुए यह सुनिश्चित करें कि कोई भी विद्यालय इस कार्य में लापरवाही न बरतें ।।

दूध में पिलाई नींद के गोलियां, प्रेमी देवर को बुला काट दिया पति का गला; मेहराज हत्याकांड की पूरी कहानी

यूपी के अमरोहा में चाकू से ही राजमिस्त्री का गला काट दिया। पुलिस ने पत्नी और उसके प्रेमी समेत तीन को जेल भेज दिया है। शनिवार की रात को गांव पिपलौती कला में अवैध संबंधों में बाधक बन रहे पति को मौत के घाट

उतरा गया कोतवाली इलाके के संबंधों में बाधक मिराज (30) की एक अन्य साथी के हत्या के मामले में गिरफ्तार कर कोर्ट को जेल दिया गया चाकू व दो मोबाइल प्रभारी निरीक्षक कि आरोपी महिला वह शादी से पहले देवर फरमान से प्रेम चाहती थी, लेकिन मेहराज से हो गई, प्रेम कम नहीं संबंधों का राज जान विरोध करता था। हटाने के लिए हत्या की गोलियां खिलाई और प्रेमी फरमान व बुरावली निवासी अदनान के साथ मिलकर उसकी हत्या करा दी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी ने बताया तीनों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से जेल भेजा गया है।रूही ने पहले कुंडल और मोबाइल लूटने की गढ़ी थी झूठी कहानी- मृतक मेहराज की पत्नी रूही ने मेहराज की हत्या के बाद लूट की झूठी कहानी रच दी। जिससे घटना को दूसरे रूप में देखा जा सके। पहले रूही ने बताया कि रात में सोते समय कुछ लोग आए थे, उन्होंने कुंडल लूट लिए और मोबाइल भी ले गए।उन्होंने ने ही मेहराज की हत्या की है। रविवार की सुबह को जब परिवार के अन्य लोग व ग्रामीण घर पहुंचे तो घड़ियाली आंसू बहाती रही और मुंह ढककर रोने का नाटक करती रही।दो मासूम बच्चों की परवरिश बनी चुनौती - हसनपुर। मेहराज की हत्या के बाद उसके दोनों मासूम बच्चों की परवरिश अब चुनौती बन गई है। मेहराज दुनिया में नहीं रहा और मां रूही जेल चली गई है। ऐसे में उनके बेटे फरहान और अली पूरी तरह से अनाथ हो गए हैं। हालांकि फिलहाल बच्चों की देखभाल मेहराज के पिता मोमीन ही कर रहे हैं।रूही की करतूत से सदमे में लोग -हसनपुर क्षेत्र के गांव पिपलौत कला में उस वक्त सन्नाटा पसर गया, जब यह खबर आग की तरह फैली कि गांव की ही एक बहू रूही ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर खौफनाक साजिश रची और पकड़ी गई। हालांकि अब हत्यारोपी जेल चले गए हैं, लेकिन रूही की करतूत से लोग परिजन सदमे में हैं।इस घटना ने न केवल रूही के ससुराल वालों को तोड़ कर रख दिया है, बल्कि पूरे गांव के माथे पर कलंक का टीका लगा दिया है। रूही के दो मासूम बच्चे, ससुर व गांव में ही रहने वाली उसकी बड़ी बहन की हालत सबसे ज्यादा दयनीय है। रूही की बड़ी बहन घर से बाहर निकलने में कतरा रही है।उसने खुद को घर में कैद कर लिया है। मृतक मेहराज के पिता बुजुर्ग मोमीन की आंखों में अब आंसू नहीं, बल्कि बहू की बेवफाई और धोखे का गहरा घाव साफ नजर आता है। पड़ोसियों के अनुसार, परिवार को सबसे ज्यादा दुख इस बात का है कि जिस बहू को उन्होंने सिर-आंखों पर बिठाया था, उसी ने उनकी पीठ में छुरा घोंप दिया।

टेलीग्राम पर बिक रही थी किडनी, अब तक 50 से ज्यादा अवैध ट्रांसप्लांट, छह गिरफ्तार

कानपुर पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय किडनी रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए डॉ. प्रीति आहूजा समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह टेलीग्राम के जरिए मरीजों को ढूंढता था। शहर में अब तक 50 से अधिक अवैध ट्रांसप्लांट हो चुके हैं।कानपुर

बिहार से लेकर उत्तराखंड और साउथ अफ्रीका की गई छापेमारी के बाद पुलिस ने इंडियन मेडिकल सिंह आहूजा समेत छह मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार के भीतर ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर की एक महिला %अरेबिका% का अवैध किडनी की पत्नी पारुल का ट्रांसप्लांट किया गया था। से होता था सौदा- बता दें कि किडनी देने वाला (4ह्लद्ध की पढ़ाई कर रहा है। पुलिस जांच में सामने आया कि मरीजों को फंसाने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया जाता था। मेरठ में डायलिसिस के दौरान डॉ. अफजल नामक व्यक्ति ने पारुल से संपर्क किया। अफजल ने उन्हें एक टेलीग्राम ग्रुप से जोड़ा, जहां किडनी दाताओं और जरूरतमंदों की जानकारी साझा की जाती थी।सील होने के बाद भी जारी था खेल- पूरी प्रक्रिया के दौरान कोई भी आधिकारिक फाइल तैयार नहीं की जाती थी। डॉ. रोहित उर्फ राहुल अपनी टीम के साथ मिलकर सर्जरी को अंजाम देता था। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल के अनुसार, मार्च में सूचना मिलने पर आरोही हॉस्पिटल को सील किया गया था। लेकिन गिरोह इतना शातिर था कि 23 मार्च को आरोपी डॉ. राजेश ने मेडलाइफ हॉस्पिटल के संचालक के साथ साझेदारी कर ली और वहां अवैध काम शुरू कर दिया। अब तक शहर के सात बड़े नर्सिंग होम का नाम इस रैकेट में सामने आया है, जहां 50 से ज्यादा ट्रांसप्लांट होने की आशंका है।

संक्षिप्त समाचार

सहपऊ के सिखरा गांव में शराब का ठेका खोलने का विरोध, पुलिस ने ग्रामीणों पर भांजी लाठियां

सिखरा गांव में खुलने जा रहे शराब के ठेके का ग्रामीणों ने

विरोध किया। गांव वालों ने पुलिस पर लाठी मारने का भी आरोप लगाया। ग्रामीणों ने गांव में देशी शराब का ठेका खोलने का जमकर विरोध किया। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने उनमें लाठियां मारीं। विरोध की सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी गांव में पहुंच गए। हाथरस में सहपऊ के गांव सिखरा में देशी शराब का ठेका खोला जा रहा है। 31 मार्च को ग्रामीणों ने ठेका खुलने का विरोध किया। सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी गांव में पहुंचे। ग्रामीणों का पुलिस पर आरोप है कि शराब के ठेके का विरोध करने वालों पर लाठियां चलाईं। ठेके का विरोध जारी है।

सोशल मीडिया अकाउंट पर स्टोरी लगाने को लेकर विवाद में डेयरी पर फायरिंग, बाल-बाल बचे युवक

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच सोशल

मीडिया अकाउंट पर एक स्टोरी और कमेंट को लेकर विवाद चल रहा था, जो धीरे-धीरे बढ़कर इस घटना तक पहुंच गया। अलीगढ़ के थाना बन्नादेवी अंतर्गत सुरक्षा विहार स्थित अतुल डेयरी पर 31 मार्च सुबह करीब 11 बजे बुलट सवार तीन युवकों ने फायरिंग कर दी। इस घटना से इलाके में खलबली मच गई। सुरक्षा विहार कॉलोनी के मोड पर अतुल डेयरी है। संचालक अतुल अपने दोस्त आयुष्मान के साथ बैठे थे, तभी बुलट पर सवार तीन युवक वहां पहुंचे और अतुल को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। स्थानीय लोगों के मुताबिक हमलावरों ने करीब तीन राउंड फायर किए, हालांकि घटना में कोई घायल नहीं हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। सीओ बन्नादेवी धनंजय सिंह के अनुसार एफएसएल की टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच सोशल मीडिया अकाउंट पर एक स्टोरी और कमेंट को लेकर विवाद चल रहा था, जो धीरे-धीरे बढ़कर इस घटना तक पहुंच गया। बताया जा रहा है कि पिछले एक साल से दोनों पक्षों के बीच तनातनी जारी थी और पहले भी मारपीट हो चुकी है। अभी तक पीड़ित पक्ष की ओर से कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

गजब है महोबा का बाल विकास विभाग, 16 माह पहले हो चुका निधन, मृतका को भेजा सेवा समाप्ति का नोटिस

महोबा में 17 महीने पहले मर चुकी आंगनबाड़ी सहायिका पार्वती को विभाग ने ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर सेवा समाप्ति का नोटिस भेजा है। डीपीओ ने इस बड़ी लापरवाही की जांच के आदेश दिए हैं।महोबा जिले में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग से जुड़ा एक

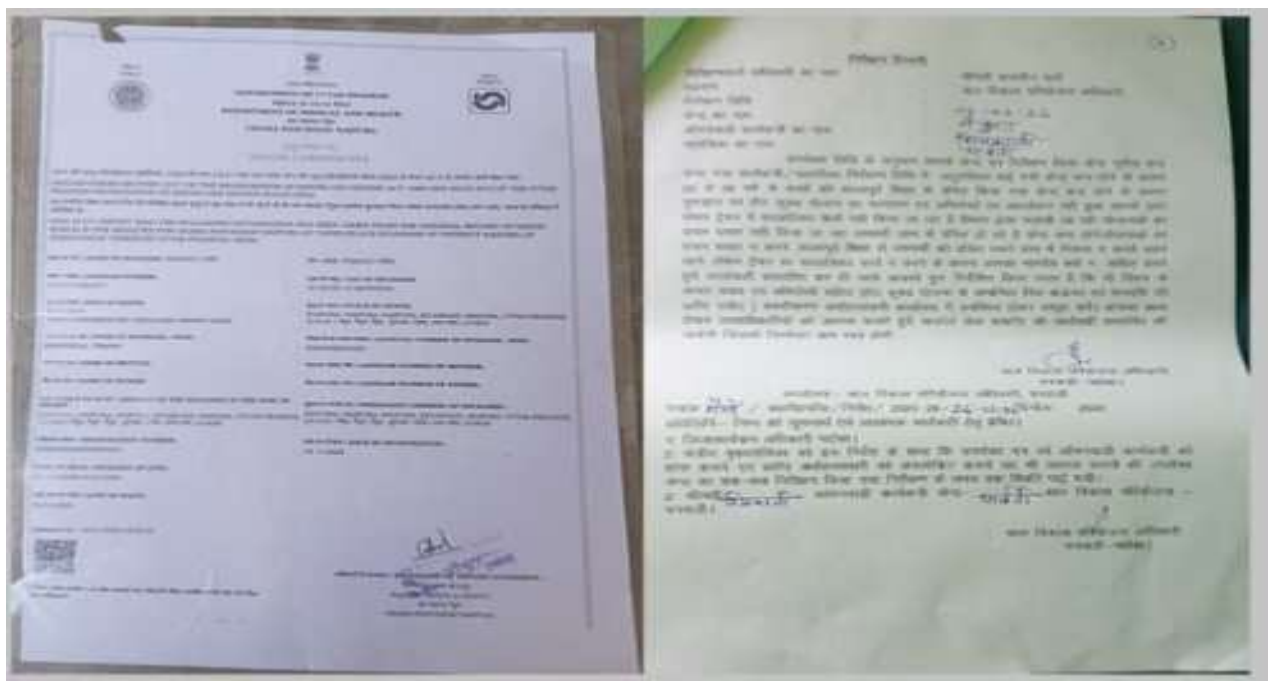

अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। जिस आंगनबाड़ी सहायिका की 16 माह पहले मौत हो चुकी है। विभाग की ओर से उसे सेवा समाप्ति का नोटिस भेजा गया है। नोटिस देखकर परिजन हैरत में पड़ गए। मंगलवार को यह मामला सामने आने के बाद विभाग की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। डीपीओ ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं। ब्लॉक पनवाड़ी के नैपुरा आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यकर्ता के पद पर शिवकांति तैनात हैं।उनके साथ यहां पर सहायिका के पद पर 17 महीने पहले पार्वती तैनात थी। सहायिका पार्वती का बीमारी के चलते एक नवंबर 2024 को निधन हो गया था। इसके एक पखवाड़े के अंदर परिवार ने उनका मृत्यु प्रमाण पत्र विभाग को सौंप दिया था। विभाग ने भी इसे पोर्टल पर अपलोड करके पार्वती का वेतन रोक दिया। पनवाड़ी ब्लॉक की बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) यासमीन जहां ने 26 फरवरी 2026 को नैपुरा आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया, तो केंद्र बंद मिला।विभाग में जमा कर दिए थे मृत्यु प्रमाण पत्र व अन्य अभिलेख इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए कार्यकर्ता शिवकांति और सहायिका पार्वती को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा। दो दिन में स्पष्टीकरण न देने पर सेवा समाप्ति की चेतावनी दी। साथ ही, हाट कुक्ड योजना के संबंधित बिल वाउचर व धनराशि की प्राप्त रशीद के साथ कार्यालय में उपस्थित होने की बात कही। यह नोटिस जब पार्वती के पति किशनलाल के पास पहुंचा तो वह परेशान हो गया। नोटिस पर उसने विभाग को जवाब देते हुए बताया कि उसकी पत्नी पार्वती का निधन हो चुका है और निधन के आठ दिन के अंदर ही उसने मृत्यु प्रमाण पत्र व अन्य अभिलेख विभाग में जमा कर दिए थे। ऐसे में यह नोटिस कैसे आ गई। मामले को बेवजह दिया जा रहा है तूल-यह मामला मंगलवार को उजागर हुआ। मृतका के पति ने बताया कि यह विभाग की घोर लापरवाही है। उसकी पत्नी की करीब 17 माह पहले मौत हो चुकी है। इसके बाद भी नोटिस भेजना समझ से परे है। उधर, सीडीपीओ यासमीन जहां का कहना है कि उन्होंने नवंबर 2025 में ब्लॉक पनवाड़ी ज्वाइन किया था। इसके बाद फरवरी में मैंने निरीक्षण किया। तैनाती के कम समय होने के कारण उन्हें यह जानकारी नहीं थी। केंद्र बंद मिलने पर नोटिस जारी किया गया था। जिस पर कार्यकर्ता शिवकांति ने सहायिका के निधन की जानकारी दी थी, तो उसे मान लिया गया और नोटिस को निस्तारित कर दिया गया। मामले को बेवजह तूल दिया जा रहा है। आंगनबाड़ी सहायिका की मौत के बाद नोटिस भेजे जाने के मामले की जानकारी हुई है। उन्होंने सीडीपीओ से इस नोटिस को लेकर जवाब मांगा है। सहायिका पार्वती के निधन की जानकारी विभाग के पोर्टल पर अपलोड है। ऐसे में यह गलती कैसे हुई, इसकी जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी। -हर्षवर्धन नायक, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महोबा

कड़े प्रयासों के बाद 101 गुमशुदा एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद किए

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी कश्यप /फरूखाबाद उत्तर प्रदेश/ फर्रुखाबाद फतेहगढ़ पुलिस टीम ने मंगलवार को एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस की सर्विलांस टीम ने कड़े प्रयासों के बाद 101 गुमशुदा एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद किए गए इन स्मार्टफोन्स की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 22 लाख रुपए बताई जा रही है। मालिकों के खिले चेहरे-पुलिस लाइन सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान इन सभी फोनों को उनके असली मालिकों को सौंप दिया गया। प्रभारी सीओ संजय वर्मा ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि लंबे समय से खोए हुए अपने फोन वापस पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। फोन मिलने पर नागरिकों ने पुलिस टीम का तहे दिल से आभार व्यक्त किया। इनकी रही मुख्य भूमिका- यह बड़ी रिकवरी पुलिस अधीक्षक आरती सिंह के कुशल निर्देशन में की गई। सर्विलांस सेल टीम की इस उपलब्धि के पीछे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मियों की कड़ी मेहनत शामिल रही- संत कुमार (टीम प्रभारी) अमित शर्मा (कंप्यूटर ऑपरेटर) संदीप राव (हेड कांस्टेबल) अनुराग कुमार, सचिन सिंह और राहुल शर्मा अभियान रहेगा जारी पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सर्विलांस टीम लगातार सक्रिय है। आम जनता को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से गुमशुदा मोबाइलों की बरामदगी का यह विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस ने जनपद सहित अन्य जनपदों में भी मोबाइल ट्रेसिंग के माध्यम से इन फोन को ढूंढ निकालने में सफलता प्राप्त की।

ट्रक व ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आए बाइक सवार दो लोगों की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती गिलौला थाना गिलौला क्षेत्र के परेवपुर के पास बौद्ध परिपथ पर रविवार की रात में ट्रक व ट्रैक्टर-ट्रॉली में जोरदार भिड़ंत हो गई जिसकी चपेट में

आ जाने से जनपद बहराइच के रहने वाले दो व्यक्तियो की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। अंधेरे का फायदा उठाकर ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची गिलौला थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गिलौला पहुंचाया जहां मौजूद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज फरार वाहन चालक की तलाश कर रही है। जनपद बहराइच के ग्राम नगरौर निवासी 48 वर्षीय मोहम्मद हलीम और उनके पड़ोसी जमील पिछले कई वर्षों से जनपद श्रावस्ती के गिलौला बाजार में सिलाई की दुकान चलाते थे जहां जमील मोहम्मद हलीम के साथ टेलर का काम करते थे। रोजाना की तरह -रात दोनों दुकान बंद कर बाइक से अपने घर नगरौर वापस लौट रहे थे घर से 12 किलोमीटर पहले बौद्ध परिपथ पर परेवपुर के पास विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक व ट्रैक्टर ट्राली के बीच जोरदार टक्कर होती है जिसकी चपेट में उनकी बाइक आ जाती है टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार मोहम्मद हलीम और जमील की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलते हो मौके पर थाना प्रभारी अपने हमराहीयों के साथ पहुंचकर दोनों व्यक्तियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गिलौला पहुंचाते है जहां मौजूद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रात को हुए इस हादसे के बाद अंधेरे का फायदा उठाकर ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक मृतक मोहम्मद हलीम के दो बेटे हैं बड़ा बेटा 30 वर्षीय सावेश शादीशुदा है और गांव में टेलर की दुकान चालाता है जबकि छोटा बेटा 26 वर्षीय शाहिद गांव में मेडिकल स्टोर संचालित करता है। वहीं, मृतक जमील के दो बेटे व दो बेटियां है दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है उनका बड़ा बेटा बेंगलुरु में रहकर मजदूरी कर अपने परिवार का गुजारा करता है और छोटा बेटा घर पर रहकर पढ़ाई कर रहा है।

जिलाधिकारी ने देवीपुरा गौशाला का किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने आज देवीपुरा गौशाला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गौशाला में निराश्रित गौवंशों हेतु भूसा, पीने योग्य पानी, हरा चारा, साफ-सफाई व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने अवगत कराया गया कि पशु चिकित्सक द्वारा गोवंशों की देखभाल की जा रही है।

देवीपुरा गौशाला के निरीक्षण के दौरान उन्होंने निमार्णाधीन नाले के कार्य की गुणवत्ता परखी। उन्होंने कहा कि गौशाला के तालाब को विकसित कर मत्स्य पालन कराया जाएगा। गौशाला में मोरिंगा मॉडल को अपनाया जाएगा, जनपद की समस्त गौशालाओं में मोरिंगा की पौध लगवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि गौशाला को एक रिसर्च सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा ताकि कृषक, छात्र/छात्राएं गौशाला में आकर नई-नई तकनीक को सीख/देख सके। गौशाला की साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी क

लाडली बहना योजना से नाम हटाने वाले सचिव को प्रशासन ने किया बर्खास्त

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत पर जिला प्रशासन ने त्वरित और सख्त कदम उठाते हुए जनपद पंचायत पिछोर की ग्राम पंचायत भयावन के रोजगार सहायक एवं प्रभारी सचिव पवन कर्ण की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम भयावन निवासी नेहा चौधरी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि रोजगार सहायक द्वारा जानबूझकर उनका नाम लाडली बहना योजना से हटा दिया गया, जिससे वे योजना के लाभ से वंचित हो गईं। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी के निर्देश पर जिला पंचायत सीईओ द्वारा मामले की जांच कराई गई। जनपद स्तर पर सेक्टर प्रभारी एवं प्रभारी खंड पंचायत अधिकारी द्वारा संयुक्त जांच की गई, जिसमें पाया गया कि संबंधित रोजगार सहायक ने अपनी आईडी से हितग्राही का नाम हटाया था। जांच में लापरवाही, स्वेच्छाचारिता और गंभीर अनुशासनहीनता प्रमाणित होने पर प्रस्तुत स्पष्टीकरण असंतोषजनक पाया गया। इसके आधार पर जिला पंचायत सीईओ ने संबंधित रोजगार सहायक की संविदा सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

दिल्ली से गूंजा 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' का राष्ट्रव्यापी आह्वान

भूलें नहीं, याद रखें 27 अप्रैल 2026- गौ सम्मान दिवस

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रवीण शर्मा/ देशभर से 36 राज्यों और 7 केंद्र शासित प्रदेशों से जुटे संतों और गौ सेवकों-सेविकाओं का ऐतिहासिक संकल्प नई दिल्ली। 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' के तहत राजधानी दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में देशभर से पहुंचे संत-महंत, मठाधीश, गौ सेवक-सेविकाएं, गोपालक एवं गौ रक्षकों ने एकजुट होकर राष्ट्रव्यापी जनजागरण का आह्वान किया। बैठक में उपस्थित सभी संतों और गौ सेवकों-सेविकाओं ने एक स्वर में संकल्प लिया-भूलें नहीं, याद रखें 27 अप्रैल 2026 - गौ सम्मान दिवस। यह एक दिवसीय कार्यशाला केवल औपचारिक बैठक नहीं रही, बल्कि गौ माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा दिलाने एवं गोवंश के संरक्षण, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए देशव्यापी जनअभियान का सशक्त शंखनाद बन गई। देश के विभिन्न राज्यों, जिलों और तहसीलों से आए संतों और गौ सेवकों ने संकल्प लिया कि वे इस अभियान को गांव-गांव, घर-घर और जन-जन तक पहुंचाएंगे। बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि 27 अप्रैल 2026 को पूरे भारत में तहसील, अनुमंडल और जिला स्तर पर एक साथ अभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत संबंधित अधिकारियों-तहसीलदार, एसडीएम एवं जिला कलेक्टर-के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर गौ माता को 'राष्ट्र माता' घोषित करने की मांग की जाएगी। बैठक के दौरान गौ संरक्षण एवं संवर्धन के संबंध में कई महत्वपूर्ण मांगें भी रखी गईं, जिनमें देशभर में गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध, गौ सेवा हेतु सशक्त केंद्रीय कानून का निर्माण, गौ मंत्रालय की स्थापना, गोचर भूमि संरक्षण के लिए गोचर बोर्ड का गठन, चारा सुरक्षा नीति लागू करना तथा गौ आधारित कृषि को बढ़ावा देना शामिल हैं। कार्यक्रम में स्पष्ट किया गया कि यह अभियान किसी व्यक्ति, सेवक-सेविकाएं, माताएं-बहनें और धर्मप्रेमी नागरिक मिलकर आगे बढ़ा रहे हैं। बैठक के समापन पर सभी उपस्थित संतों और गौ सेवकों-सेविकाओं ने संकल्प लिया कि वे व्यापक जनजागरण करते हुए 27 अप्रैल 2026 को 'गौ सम्मान दिवस' के रूप में ऐतिहासिक बनाएंगे।

राजनीतिक दल या सरकार के विरोध में नहीं है, बल्कि पूर्णत: अहिंसक, संवैधानिक और जन-आस्था पर आधारित पहल है। यह भी बताया गया कि इस अभियान के अंतर्गत कोई नया संगठन नहीं बनाया गया है और न ही कोई एक व्यक्ति इसका संचालन कर रहा है। यह जन-जन का अभियान है, जिसे देशभर के साधु-संत, गौ सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत एक विशाल प्रेस कांफ्रेंस सोमवार 30 मार्च 2026 दोपहर 2-00 बजे,पीतमपुरा, दिल्ली मे की गई, जिसमें देशभर के संत और गौ भक्त जुटे, विशाल प्रेस कांफ्रेंस में गो सम्मान आह्वान अभियान के लिए लिया गया बड़ा संकल्प भूलें नहीं याद रखें 27 अप्रैल 2026- गो सम्मान दिवस

संक्षिप्त समाचार

शिवपुरी पुलिस में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भावभीनी विदाई के साथ पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। पुलिस विभाग में सेवाएं देने के पश्चात सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। सेवानिवृत्त होने वालों में का.वा. उप निरीक्षक ज्ञान सिंह वर्मा, का.वा. सहायक उप निरीक्षक हरवीर सिंह एवं का.वा. प्रधान आरक्षक कमलेश मिश्रा शामिल हैं, जिन्होंने 31 मार्च 2026 को अपनी सेवाएं पूर्ण कीं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौड़ ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए प्रमाण पत्र, शॉल-श्रीफल एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान ज्ञान सिंह वर्मा एवं हरवीर सिंह ने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा किए और विभाग के साथ बिताए समय को याद किया। समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले, रक्षित निरीक्षक श्री अनिल कवरेती, स्टेनो आशीष पटेरिया, स्टेनो आमिर कुरैशी, मुख्य लिपिक, सउनि गोपाल शर्मा सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय का स्टाफ एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम भावनात्मक माहौल में संपन्न हुआ, जहां सभी ने उनके योगदान को सराहा और सम्मानपूर्वक विदाई दी।

जिला जज, डीएम व एसपी ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्तीजिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश धर दूबे, जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने जिला कारागार श्रावस्ती का निरीक्षण कर जायजा लिया।इस दौरान उन्होने जेल में बन्द कैदियों को सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं की भी जानकारी ली तथाजेल में बंद बंदियों से मिलकर उनका कुशलक्षेम भी जाना। उन्होने जेल अधीक्षक को सरकार द्वारा प्रदत्त सभी सुविधाओं को समय से बन्दियों को मुहैया कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जनपद न्यायाधीश, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने रसोई घर, स्टोर खाद्यान्न, महिला बैरक, पुरुष बैरक, किशोर बैरक व अस्पताल का निरीक्षण कर जायजा लिया।

फांसी के फंदे से लटका मिला युवक का शव

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। थाना कोतवाली भिनगा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बैरागीजोत निवासी एक युवक का शव खेत में फांसी के फंदे से लटका मिला। सूचना पाकर मौके पर पहुंची भिनगा पुलिस ने शव का पंचनामा भराकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया। कोतवाली भिनगा क्षेत्र के ग्राम बैरागीजोत निवासी शंकर लाल (18) पुत्र राम कुमार का शव सुबह संदिग्ध परिस्थितियों मे गांव के बाहर खेत में पेड़ के सहारे फांसी के फंदे से लटका मिला। सुबह खेत पर गए लोगों की नजर जब युवक के लटकते शव पर पड़ी तो उन्होंने परिजनों को सूचित किया। मौके पर पहुंचे परिजनों द्वारा कोतवाली भिनगा पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतरवाकर कब्जे में ले लिया।

जला ट्रांसफार्मर बना परेशानी का सबब, जिम्मेदार मौन

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जमुनहा विकास खंड कार्यालय परिसर के बाहर बाउंड्री वॉल से सटा लगा 100 केवी का ट्रांसफार्मर बीते दिनों जल जाने के बाद अब तक चालू नहीं हो सका है।दूसरा ट्रांसफार्मर को रख तो दिया गया है। लेकिन कई महीनों से कनेक्शन न जुड़ने के कारण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित बनी हुई है। स्थानीय बाजारवासियों का कहना है कि बिजली नहोने से व्यापार प्रभावित हो रहा है और दैनिक कार्यों में भी दिक्कतें आ रही हैं।कई बार संबंधित विभाग को अवगत कराने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों व दुकानदारों में इसे लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोगों ने आरोप लगाया कि विभागीय लापरवाही के चलते समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। वहींक्षेत्रवासियों ने जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर को चालू कर बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है, ताकि आमजन को राहत मिल सके। वहीं जेई बंजारन पुरवा विवेक कुशवाहा से दूरभाष से सम्पर्क किया गया तो उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

Millions of people die from stroke every year. Will eating bananas reduce this risk?

Potassium plays a vital role in nerve signaling, muscle contraction, and maintaining a regular heartbeat. It also helps regulate blood pressure by counteracting the effects of sodium, which can reduce the risk of stroke. Brain stroke kills millions of people every year. According to the World Health Organization (WHO), stroke is the third leading cause of death and disability worldwide, with an estimated 93.8 million cases in 2021. The risk of this condition is rapidly increasing among young people. A stroke occurs when the blood vessels supplying blood to the brain either become blocked or rupture. In both cases, brain cells die due to lack of oxygen. Studies have found that people with high blood pressure are at higher risk of stroke and death. High blood pressure damages the walls of blood vessels, increasing the risk of blockages. Lifestyle and dietary imbalances can be risk factors for both blood pressure and stroke. Did you know that including bananas in your daily diet can significantly reduce this risk? Eating bananas reduces the risk of stroke. Health experts say that along with improving your diet, regular exercise can be helpful in preventing stroke. Several studies show that potassium-rich foods, such as bananas, are beneficial in controlling blood pressure and reducing the risk of stroke. Bananas are a good source of potassium. Potassium balances the effects of sodium in the body, thereby maintaining blood pressure. Studies have found that people with adequate potassium intake have a reduced risk of stroke. A medium-sized banana contains approximately 350-400 mg of potassium. Potassium reduces the risk of stroke. According to experts, millions of people worldwide are deficient in this essential mineral, which can increase the risk of heart attack and stroke.

Professor John Young, a researcher at Teesside University in London, says, "Potassium deficiency is very common and can be quite dangerous. Potassium plays a vital role in nerve signals, muscle contractions, and maintaining a regular heartbeat. People with severe potassium deficiency are more likely to experience symptoms like confusion and depression. It can also affect the heart, leading to a rapid heartbeat, increased blood pressure, and the risk of stroke. To avoid these symptoms, adults should consume up to 3,500 mg of potassium daily. Eating bananas daily can be very beneficial." What have studies shown? A 2024 study found that increasing potassium levels through food reduces the risk of heart disease, stroke, and death by 24 percent. A 2016 study found that potassium can reduce your risk of stroke by 20 percent. To meet the daily recommended potassium intake, you would typically need to eat 10 medium-sized bananas. However, you can supplement this amount by eating other potassium-rich foods along with bananas. Two bananas provide approximately 800-900 mg of potassium. Spinach, beans, potatoes, yogurt, and fish can also be included in your diet. However, bananas aren't the only solution; maintaining a balanced diet can help prevent stroke. What else can you do to prevent stroke? Doctors say that the most important thing to prevent stroke is keeping blood pressure under control. To do this, reduce salt intake and walk briskly for at least 30 minutes every day. Avoid smoking and alcohol, maintain a balanced weight, and schedule regular health checkups. The DASH diet has been shown to be beneficial in controlling blood pressure and may also help prevent stroke.

Is it a legal offense to exit through the sunroof? Learn how much the fine could be.

It's often seen that many people venture out of the sunroof of a moving car to take photos and enjoy the fun. However, few people know that doing so is illegal. Let's explore this in detail. The craze for sunroofs in cars in India has grown rapidly in recent years, but along with it, a very dangerous and illegal trend has also emerged. People are often seen exiting the sunroof from a moving vehicle to take photos or enjoy the breeze, which they consider merely a form of entertainment. But did you know that doing so constitutes "dangerous driving" and could result in a hefty fine? Under today's strict traffic regulations, sunroofs are used only for ventilation and cabin lighting, not for exiting the body. Doing so on public roads puts your life at risk. Why is exiting through the sunroof illegal? Dangerous Driving (Section 184): According to traffic rules and safety standards, under Section 184 of the Motor Vehicles Act, protruding any part of the body from a moving vehicle is considered negligent driving. Violation of Seat Belt Rule: Passengers exiting through the sunroof are not wearing seat belts, which is mandatory by law and carries a separate penalty. Danger of Sudden Braking: A person exiting a vehicle during a sudden braking may be thrown out of the vehicle at high speed or suffer serious internal injuries. What is the possible fine and punishment? Depending on different states, a fine of ?1,000 to ?5,000 can be imposed for this offense. Repeated violations of rules or arguing with traffic police can result in the suspension of your driving license (DL) for 3 months. With the help of today's smart city cameras, 'e-challans' are being sent directly to your mobile phone without any interruption. Important safety tips for cars with sunroofs: When driving, pay special attention to the safe use of the sunroof. Open the sunroof only to allow fresh air and natural light into the cabin. Never let children exit the sunroof; flying pebbles or kite strings can be fatal to their necks. If you want to take a photo from the sunroof, do so only after parking the car in a completely safe place. Your life is more precious than entertainment - In this modern era, where both roads and vehicles have become high-tech, our understanding of safety must also be 'smart'. The sunroof is a premium feature; do not use it as a means to perform stunts. Respect your own and others' safety and follow traffic rules diligently. Keep in mind that even a small negligence can not only ruin your bank balance but also put your entire family in deep trouble.

Is compensation available for damage to a parcel or luggage sent by train? Learn the rules.

Often, when people need to send goods to distant places, they send them via railway parcel. However, sometimes items in these parcels get damaged or go missing. What should you do in such a situation, and also learn if you can get compensation? Every year, millions of people send their luggage and parcels from one city to another via Indian Railways. People often worry about what will happen if the luggage gets damaged or lost in transit. According to railway rules, the owner of the luggage is entitled to compensation if it gets damaged or stolen. However, certain conditions must be met. When we fill out the luggage form, we must enter the current value of the luggage. Under 'Railway Liability', if you have declared the correct value of the luggage when booking and paid the prescribed 'excess value' fee, the railways fully compensate for the loss. However, the compensation amount is limited for undeclared luggage. The railway system's online claim process has become more transparent, allowing you to file claims online. Key terms and conditions for receiving compensation from the Railways: The Railways' responsibility for loss of luggage depends on the declared value you have entered. If you are sending valuable items, be sure to mention their value at the time of booking. The Railways charges a small additional fee for this, after which the Railways assumes full responsibility for their safety. If you are carrying luggage in a coach and it is stolen or damaged, the Railways only provides compensation if negligence is proven. If the packaging is not in accordance with the Railways' standards, the Railways require you to sign a "risk note," which may weaken your claim for compensation. How is the compensation amount determined? The compensation amount awarded by the Railways can be understood as follows: Undeclared Luggage: If you have not declared the value of the luggage, the Railways only provides a fixed (limited) amount per kilogram as compensation. Claims against declared value: Upon payment of 'excess value', the Railways compensates for the full amount declared or the actual loss in case of damage. Damage assessment: Before compensation is awarded, Railway officials inspect the damage, and the amount is determined based on the report. The correct procedure for claiming damage is: Immediate reporting: If the baggage appears damaged upon receiving it, immediately inform the station master or parcel office and obtain a 'damage note'. Submitting documents: To receive compensation, you must submit the original receipt, damage report, and a certificate of the value of the baggage. Online complaint: You can also file your claim through the Railways' Consumer Care portal or mobile app, which speeds up the process. Caution is the best defense. Being aware of the rules when sending goods by train can save you from major financial losses. While the Railways has made its parcel services very secure, it is always wise to pay an 'excess value' fee for valuable items. Keep in mind that it is your legal right to get compensation from the Railways, you just need to provide correct information at the time of booking and keep the receipt safe.

After theatrical release, "Happy Patel" is now ready to hit the OTT platform; find out when and where to watch it.

The film "Happy Patel - Khatarnaak Jasoos" was released in theaters in January this year. Now, it's set to release on OTT. Find out the date and location. Vir Das's film "Happy Patel - Khatarnaak Jasoos" is now ready to stream on digital platforms. The film was released in theaters on January 16, 2026. Vir Das stars in the lead role and also directed it. The film will now be available on OTT platforms starting next month. Release date: "Happy Patel" is about to hit Netflix. Aamir Khan produced the film and he also has a cameo. This film marks Vir Das's directorial debut. Today, Netflix announced through an Instagram post that the film will stream on its platform starting April 1, 2026. Imran Khan's comeback film - The caption accompanying the post reads, "India is not for the faint of heart. But it definitely is for Happy Patel." Watch this film on Netflix starting April 1st. "Happy Patel" is a dark comedy film, starring Aamir Khan's nephew and actor Imran Khan. This film marks his comeback after a long time. These stars are also part of the film: The film was much talked about before its release, but when it premiered in theaters, it received a lukewarm response. Made at a cost of approximately ?25 crore, it earned only ?6.21 crore, according to data from SaksNilk. Now, on April Fool's Day, it will be available to audiences on digital platforms. It remains to be seen how audiences react. The film also stars Mithila Palkar, Mona Singh, and Sharib Hashmi.

"I wasn't allowed to watch romantic films," Aamir Khan makes a major revelation; he was more interested in this than movies.

Actor Aamir Khan is known for his diverse roles in films, but recently he shared some interesting anecdotes from his childhood. Find out what he had to say. Bollywood's Mr. Perfectionist Aamir Khan recently shared an interesting tidbit about his personal life. He revealed that he has been somewhat aloof from films since childhood and even today watches very few films. Aamir Khan loved books - Aamir recently said in an interview with Variety that he has always been a reader. He preferred books over films. Recalling his childhood, he explained that he grew up in a very strict and traditional family. At that time, there were many rules regarding films at home, and he was not allowed to watch many. Not allowed to watch romantic films - The special thing was that even if he was allowed to watch a movie, he was not allowed to watch romantic films. Aamir Khan revealed that he mostly watched old black and white films that aired on Doordarshan. He also watched films starring legendary actors. He jokingly added that some people play football and some watch it, but he himself makes films and rarely watches them. He doesn't know much about current films or what's happening in Hollywood. This statement certainly surprised fans, as he is one of the industry's biggest and most successful stars. Aamir Khan's work front: Aamir Khan is currently in the news for his production projects. His son Junaid Khan will be seen in his upcoming film "Ek Din." He also has another film, "Lahore 1947," in the pipeline.

Has Rishabh Shetty had a falling out with Rukmini Vasanth? He also unfollowed this actor associated with 'Kantara'; fans speculate

Rishabh Shetty has unfollowed Hombale Films, the banner behind the film 'Kantara', as well as several fellow actors on social media. Fans have been speculating about a rift since his move.

Actor-director Rishabh Shetty recently unfollowed Rukmini Vasanth, his co-star in the film 'Kantara Chapter 1', on social media. Fans are interpreting this as a sign of a rift between the two. However, neither party has yet issued a statement on the matter. Rishabh Shetty unfollowed Notably, Rishabh has unfollowed not only Rukmini, but also several actors associated with 'Kantara' and its production house, Hombale Films. Actor Raj B. Shetty is also included in this list. Since this information surfaced, fans have been searching for the reason behind it. Rishabh and Raj were friends, so where did things go wrong? Hombale Films, the banner that produced the "Kantara" franchise, is also missing from the following list on Rishabh Shetty's social media accounts. Furthermore, he has also unfollowed actor Raj B. Shetty. Until last year, Rishabh was full of praise for Raj's work. Fans even referred to Rishabh, Raj, and Rakshit as "RRR." However, last year, when Rishabh praised the Kannada film "45," he did not mention Raj B. Shetty. Since then, rumors of a rift between the two have gained traction. "They will work on their next film soon," he said. However, until an official statement is issued, it's difficult to say anything. On the work front, Rishabh is currently on a break. He will soon begin working on his next film, "Jai Hanuman." He also has "The Pride of Bharat: Chhatrapati Shivaji Maharaj," scheduled for release in 2027.